Roll No. ..... Total Pages : 3

GSM/M-20 **1655**

SANSKRIT

Paper–Compulsory

Time Allowed : 3 Hours] [Maximum Marks : 40

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए: 4×2=8

   (क) 'दुर्जनसंगो भयावहः' पाठ किस ग्रन्थ से लिया गया है?

   (ख) श्रीमद्भगवद्गीता महाभारत के किस पर्व का भाग है?

   (ग) 'पठिष्यति' पद किस लकार, पुरुष और वचन का रूप है?

   (घ) पूर्वरूप सन्धि और दीर्घ सन्धि का एक-एक उदाहरण लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों का सरलार्थ कीजिए: 2×4=8

   (क) विषय विनिर्वतन्ते निराहारस्य देहिनः।

   रसवर्जं रसोऽप्यस्य परं दृष्ट्वा निवर्तते।

   (ख) यत्र श्यामो लोहिताक्षो दण्डश्चरति सूद्यतः।

   प्रजास्तत्र न मुह्यन्ते नेता चेत् साधु पश्चति।।

(ग) दुर्जनस्य च सर्पस्य वरं सर्पो न दुर्जनः।

सर्पः दशति काले तु दुर्जनस्तु पदे पदे।।

(घ) उत्सवे व्यसने चैव दुर्भिक्षे राष्ट्रविप्लवे।

राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति सः बान्धवः।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** गद्यांशों का सरलार्थ कीजिए: 2×4=8

(क) सोऽपि तमनादृत्य भूयोऽपि वानराननवरतमाह-भो, किं वृथा क्लेशेन? अथ यावदसौ न कथचित्प्रलपन् विरमति तावदेकेन वानरेण व्यर्थश्रमत्वात्कुपितेन पक्षाभ्यां गृहीत्वा शिलाया-मास्फालित उपरतश्च।

(ख) कुक्कुरो ब्रूते-'भद्र मम नियोगस्य चर्चा त्वया न कर्त्तव्या। त्वमेव किं न जानासि यथा तस्याहर्निशं गृहरक्षां करोमि। यतोऽयं चिरान्निर्वृतो ममोपयोगं न जानाति। तेनाधुनापि ममाहारदाने मन्दादरः यतो विना विधुरदर्शनं स्वामिन् उपजीविषु मन्दादराः भवन्ति।'

(ग) चटका प्राह- 'अस्तवेतत्। परं दुष्टगजेन मदान्मम सन्तानक्षयः कृतः। तद्यदि मम त्वं सुहृत्सत्यस्तदस्य गजापसदस्य कोऽपि वधोपायश्चिन्त्यताम्, यस्यानुष्ठानेन मे सन्ततिनाशदुःखमपसरित। काष्ठकूट आह-भगवति! सत्यमभिहितं भवत्या।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** धातुओं के यथानिर्दिष्ट लकारों में रूप लिखिए : 2×4=8

(क) पठ् (लृट् लकार)

(ख) दृश् (लट् लकार)

(ग) कृ (लट् लकार)

(घ) स्था (लङ् लकार)।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** में सन्धि **अथवा** सन्धिविच्छेद कीजिए: 4×2=8

(क) दिन + अंकः

(ख) रवि + इन्द्रः

(ग) लते + अत्र

(घ) प्र + एजते

(ङ) चिकित्सालय

(च) हरीशः

(छ) प्रतीक्षा

(ज) लोकेडस्मिन्।